वैश्विक नवाचार केन्द्र के रूप में स्थापित हो रहा भारतः राज्यपाल

■ राज्यपाल ने यूटीयू में किया एआई एवं रोबोटिक्स लैब का उद्घाटन

फोटोः आर-4 प्रोजेक्ट्स का अवलोकन करते राज्यपाल

देहरादून(एसएनबी)। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने बुधवार को वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित हैकाथान 'उत्कर्ष 10' में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विश्वविद्यालयों व संस्थानों के छात्रों के नवाचार प्रोजेक्ट्स का अवलोकन किया। साथ ही छात्रों से संवाद कर उनके विचारों को सराहा।

बुधवार को राज्यपाल ने यूटीयू परिसर में एआई आर एंड डी हब, रोबोटिक्स लैब, तथा इंटरनेट आफ थिंग्स (आईओटी) लैब का उद्घाटन किया। राज्यपाल ने कहा कि वर्तमान में डिजिटल हस्तक्षेप अब शासन-प्रशासन, शिक्षा, वित्त प्रबंधन और छात्र सेवाओं के हर पहलू में आवश्यक हो गया है। वर्तमान में हम ऐसे युग में जी रहे हैं जिसे चौथी औद्योगिक क्रांति कहा जा रहा है। इस क्रांति की आधारशिला एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग, इंटरनेट आफ थिंग्स और रोबोटिक्स जैसे नवाचारों पर टिकी है। इससे दैनिक जीवन को बदलाव आने के साथ ही भारत को विश्व पटल पर एक वैश्विक नवाचार केंद्र के रूप में स्थापित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत की युवा शक्ति ऊर्जा और उत्साह से नवाचार कर विश्व को चौंका रही है। स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसे अभियानों ने भारत को एक वैश्विक टेक्नोलाजी पावर हाउस बनने की राह पर अग्रसर कर दिया है। तकनीकी शिक्षा मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा कि आयोजन तकनीकी के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा। कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने कहा कि हैकाथान में प्रदेश के आठ विश्वविद्यालयों समेत कुल 25 संस्थानों की 216 टीमों ने भाग लिया। हैकाथान में चैटबट कैटेगरी में जेबीआईटी देहरादून की टीम को प्रथम, जीबीपीआईईटी पौड़ी को द्वितीय, शिवालिक इजीनियरिंग कालेज को तृतीय पुरस्कार मिला। डैशबोर्ड विकसित किये जाने की श्रेणी में विश्वविद्यालय के आईटी गोपेश्वर की टीम को प्रथम, तुलाज द्वितीय रही। मोबाइल ऐप विकासित करने की श्रेणी में विश्वविद्यालय की फैकल्टी आफ टेक्नोलाजी को प्रथम पुरस्कार, रुड़की कालेज आफ इंजीनियरिंगको द्वितीय एवं बीआईएएस भीमताल को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।

इस मौके पर दिल्ली तकनीकी विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलपति प्रो. पीबी शर्मा, सनफ्लाक्स टेक्नोलाजी के निदेशक रजत जैन, कुलसचिव सतेन्द्र सिंह समेत अनेक लोग मौजूद थे।

यूटीयू को डीप शिवा चैटबट बनाने की चुनौती

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने कहा कि ओपन सोर्स व ओपन एआई से आप देश की सहायता के लिए 'डीप शिवा' नाम से एक चैटबट जो 'डीप सीक' से 108 गुना बेहतर हो बनाने की चुनौती तकनीकी विश्वविद्यालय को दी गई। इस कार्य को अंजाम देने वाली विजेता टीम को प्रथम पुरस्कार के रूप में पांच लाख रुपये, द्वितीय पुरस्कार तीन लाख और तृतीय पुरस्कार दो लाख रुपये की धनराशि राज्यपाल द्वारा दी जाएगी। उन्होंने 'डीप शिवा' नाम से एक चैटबट बनाने का लक्ष्य हैकाथन कार्यक्रम के अंतर्गत 31 दिसंबर 2025 तक विश्वविद्यालय के छात्रों के सामने रखा गया है। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय के कुलपति को प्रतियोगिता का आयोजन के लिए आवश्यक मापदण्डों के तहत करने को कहा।